समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

नॉर्वे के कोच सोलबकन ने कहा : गोल के पीछे भागा टीम, फिर भी मोल्दोवा की हालत पर जताई चिंता

Publisher

Published on 10 Sep 2025

हाल ही में हुए **नॉर्वे बनाम मोल्दोवा** अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच में नॉर्वे की टीम ने अपनी **गोल करने की क्षमता** का पूरा प्रदर्शन किया। कोच **कास्पर सोलबकन** ने मैच के बाद कहा कि टीम का ध्यान मुख्य रूप से गोल बनाने पर था। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम ने आक्रामक खेल खेला और हर मौके का लाभ उठाने की कोशिश की।

हालांकि नॉर्वे ने दबदबा बनाए रखा, सोलबकन ने मोल्दोवा की टीम के प्रयासों की भी **सराहना की**। उन्होंने कहा कि मोल्दोवा के खिलाड़ियों ने कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत दिखाई। “हमने गोल के पीछे मेहनत की, लेकिन मोल्दोवा की टीम को नजरअंदाज नहीं किया। उनकी स्थिति और मेहनत पर विचार करना जरूरी है,” सोलबकन ने कहा।

मैच के दौरान नॉर्वे ने खेल की शुरुआत से ही **सक्रिय और आक्रामक रणनीति** अपनाई। टीम ने कई गोल के मौके बनाए और मैच में नियंत्रण बनाए रखा। मोल्दोवा की टीम ने कई बार प्रतिरोध किया, लेकिन नॉर्वे की दबावपूर्ण रणनीति के सामने उनकी चुनौती बढ़ गई।

सोलबकन ने बताया कि उन्होंने टीम को **फॉरवर्ड पोजिशनिंग और तेज़ पासिंग** के लिए तैयार किया था। उनका मानना है कि गोल की तलाश में टीम को **सक्रिय और आत्मविश्वासी** रहना जरूरी था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैच में खेल भावना और विरोधी टीम के सम्मान का ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण था।

नॉर्वे के खिलाड़ी मैच के बाद बोले कि टीम ने **सबसे अच्छे प्रदर्शन के लिए पूरी मेहनत की**, लेकिन खेल भावना को बनाए रखना भी उनकी प्राथमिकता थी। मोल्दोवा के खिलाड़ी भी अपनी **संघर्षशीलता और मेहनत** के लिए सराहे गए।

इस मैच ने एक बार फिर यह दिखाया कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल केवल जीत पर निर्भर नहीं है। खेल भावना, विरोधी टीम के प्रति सम्मान और रणनीति का संतुलन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सोलबकन का बयान इस दृष्टि से **प्रशंसनीय** माना जा रहा है।

मोल्दोवा ने पिछले कुछ सालों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई संघर्ष किए हैं। उनके खिलाड़ी अक्सर **कम संसाधन और अनुभव** के बावजूद कठिन मुकाबले देते हैं। सोलबकन ने इस चुनौती की भी सराहना की और कहा कि भविष्य में मोल्दोवा की टीम में सुधार की संभावना है।

नॉर्वे अब अगले अंतरराष्ट्रीय मैचों की तैयारी में जुट गया है। सोलबकन ने बताया कि टीम **गोल स्कोरिंग और डिफेसिव रणनीति** पर काम करेगी। इसके साथ ही खिलाड़ियों को खेल भावना और मानसिक मजबूती के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी।

नॉर्वे बनाम मोल्दोवा मैच केवल स्कोरिंग का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि **खेल भावना, रणनीति और सम्मान** का भी सबक था। कोच सोलबकन ने अपने खिलाड़ियों को गोल के पीछे मेहनत करने की प्रेरणा दी और साथ ही मोल्दोवा की टीम की संघर्षशीलता को भी सम्मानित किया।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.